इन्दिरा गांधी नहर परियोजना का पूरा किया जाना

*129. **श्री भंवर लाल पंवार :** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान की इन्दिरा गांधी नहर परियोजना को इसके प्रारंभ (1968) से लेकर अब तक केन्द्र द्वारा कितनी धनराशि उपलब्ध करायी गयी है ;

(ख) इस परियोजना को पूरा करने के लिये क्या समय सीमा निर्धारित की गई थी और इस योजना को अभी तक पूरा न किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार इस योजना को यथाशीघ्र पूरा करने के लिये और अधिक धनराशि सुलभ करायेगी ; और

(घ) इस परियोजना के संबंध में विश्व बैंक से चाही गयी ऋण धनराशि के संबंध में कितनी प्रगति हुई है, इसके लिये कितनी धनराशि प्राप्त होने की संभावना है और कब तक ?

विधि और न्याय मंत्री तथा जल-संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा इस परियोजना को अब तक दी गयी राशि निम्न प्रकार है :—

(i) अग्रिम योजना सहायता— 45 करोड़ रुपए

(ii) सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम— 15 करोड़ रुपए

(iii) इन्दिरा गांधी नहर परियोजना सहित कुल मिलाकर राज्य के लिये कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम—74.20 करोड़ रुपये

इसके अलावा, वर्ष 1987-88 और 1988-89 के दौरान उपयोग किये जाने के लिए सूखा सहायता के अन्तर्गत इस परियोजना के लिये 20 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गयी है।

(ख) परियोजना का चरण-I पूरा हो गया है। परियोजना के चरण-II की मुख्य नहर भी पूरी हो गयी है। चरण-II की वितरण प्रणाली को अपेक्षित निधियों के उपलब्ध होने पर आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक पूरा किये जाने की परिकल्पना है।

(ग) यह परियोजना राज्य योजना के अन्तर्गत कार्यान्वित की जा रही है। जिसके लिये ब्लाक अनुदान तथा ऋण केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदान किये जाते हैं। तथापि, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिये अतिरिक्त संसाधन जुटाने हेतु सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत वर्ष 1988-89 में 21 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, यह भी निर्णय किया गया है कि परियोजना के चरण-II के कृषि योग्य कमान क्षेत्र में जल मार्गों, जिनके लिये मार्च, 1988 तक सिंचाई क्षमता सृजित की गयी है, को कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम में शामिल किया जायेगा जिसके लिये बराबर-बराबर आधार पर केन्द्रीय सहायता अनुज्ञेय है।

(घ) राज्य सरकार ने परियोजना के चरण-II के लिये बा सहायता का प्रस्ताव किया है और वह परियोजना के ब्यौरे तैयार कर रही है।

Indian prisoners handed over by Pakistan

*130. SHRI SHARAD YADAV:

SHRI RAM AWADHESH SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of Indian prisoners handed over by Pakistan at Wagah border in March, 1988;

(b) the number out of these prisoners who were found mentally unsound, sick and physical wrecks due to the inhuman treatment in Pakistani jails; and

(c) what is the reaction of Government thereto and what steps have been taken by Government so far to rehabilitate these persons?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) 110.

(b) While 10 prisoners were found to be mentally unsound many were physically and mentally affected by the treatment meted out to them in Pakistani jails.

(c) Government have protested to the Government of Pakistan against the treatment meted out to Indian prisoners in Pakistani jails. All the repatriates, barring seven, who are being provided medical care, have returned home.

Complaints received by Election Commission regarding the recent bye-elections

*131. SHRI ASHWANI KUMAR:

SHRI LAL K. ADVANI:

Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

(a) what are the complaints received by the Election Commission related to the bye-elections held on June, 16 last; and

(b) the action taken on each complaint and with what results?

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE AND THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b) The Election Commission has received various complaints with regard to rigging, booth capturing, misuse of official machinery, intimidation of voters, etc. and necessary action has been taken by the Election Commission.

Violation by Pakistan of the Geneva Accord on Afghanistan

*132. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

SHRI MAHENDRA PRASAD:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the formal warning given by USSR to Pakistan and USA about what they termed as "continued violation of Geneva Accord on Afghanistan", as manifest in arming, training and inciting of Mujahidins against the Najibullah regime; and

(b) if so, what is Government's reaction thereto in the context of peace in the subcontinent in particular and world Peace in general?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) In Government's view, the Geneva Accords if properly implemented can pave the way for the restoration of peace and stability in the region. Accordingly, all concerned should strictly abide by their obligations under the Geneva Accords. Government deplore any violation of these Accords.

Solution of Kampuchean problem

*133. SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY:

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have taken any initiative recently in bringing about a solution of the Kampuchean problem particularly after the Prime Minister's visit to Vietnam; if so, the details thereof;

(b) what action is proposed by India for solution of the problem and whether any suggestions to hold the settlement talks in Delhi hava been received; and

(c) what is Government's reaction to the reported resignation of Prince